यीशु मसीह की दैविकता

भाई ग्राहम, आपका धन्यवाद। हर एक को सुप्रभात, और आप सबको क्रिसमस की शुभकामनाये। यहाँ आज इस सुबह हम छोटे प्यारे झुंड के साथ, इस आराधनालय में, फिर से आकर आनंदित हैं।

2 भाई ग्राहम और मैं वहाँ अंदर इस विषय में, अभी बातें कर रहे थे। उसने कहा, "भाई बिल, क्या इस सुबह आपके हृदय में कहने के लिए कुछ हैं? "

3 मैने कहा, "बस मसीह।" आमीन। यही है। हमारे पास हमेशा यही होता है। और इसलिए हमारे लिए यही समान चीज है, कि हमारे पास वह है।

4 डलास से कल को देर से पहुँचा, जहाँ पर हमारी... एक सबसे महिमामय सभाएं हुयी। और वह बात जिसके लिए हम प्रार्थना कर रहे थे, अब यह घटित होने जा रही है। यह ठीक अभी पहले से ऋतू में हैं, जो कि समस्त राष्ट्र की बेदारी के लिए है। बीते कल सारे सेवक... या पिछले कुछ दिनों से, किसी भी क्षमता या योग्यता वाला सेवक, या, सेवाए, हम डलास में—में इस सम्मेलन के लिए एक साथ मिले। और वहाँ पर लगभग कुछ पंद्रह, अठारह सेवकगण वहाँ पर थे जिनकी—जिनकी सेवकाई वहाँ लगभग कही भी, तीन से पन्द्रह हजार लोगो के बीच में है, हो सकता है बीस हजार लोग। उदाहरण के लिए, रेमंड टी रिची और बॉसवर्थ और—और ओरल रॉबर्ट्स, और जैकसन और वहाँ वे सारे लोग है।

5 एक रात्रि भाई जैकसन, उसकी सभा में, पांच सौ लोगों ने पवित्र आत्मा को एक ही समय में पाया, इसलिए यह बस बहुत ही शानदार बात है।

6 और बीते कल हम एक साथ मिले, उस दिन, एक वर्ष के लिए, कार्य करने की सहमति की, जो हम विश्वास करते है कि परमेश्वर यहाँ पर उस काम को करने के लिए है और उत्तेजना देने के लिए जिसे संसार ने पहले कभी नहीं देखा है। मित्रों, मैं विश्वास करता हूँ कि हम लोग—हम लोग अब किसी शानदार बात में प्रवेश कर रहे हैं। और यह सारे सेवकगण जो की संभवत: है अगले गर्मियों में, एक रात को होंगे, यदि प्रभु हमें अनुमति देता है, प्रति रात्रि, जो कम से कम कहीं से भी... पन्द्रह या सोलह होगे या हो सकता है उससे अधिक हो, बड़े तम्बू, तैयार करेंगे, जिसमें आठ और

दस हजार लोग उसमें समा सकते है, जो सारे संयुक्त राज्य से एक समय में आ सकते है।

7 ओह, अब हमारे पास बेदारी होनी हैं। यह अब अपने ऋतू में हैं, सैकड़ों और सैकड़ों लोग पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पा रहे है, जो अब परमेश्वर के राज्य में आ रहे हैं। यह कुछ ऐसा नहीं है जिसके लिए हम अब भी आगे होने के लिए देख रहे है, और कुछ समय के बाद हो, लेकिन यह—यह—यह पहले से ही अब है। परमेश्वर इसे ठीक अभी कर रहा है।

8 [भाई ग्राहम स्नेलिंग भाई ब्रन्हम से माईक्रोफोन के विषय में कहते हैं—सम्पा।] जी हाँ, श्रीमान, मैं... हां, भाई ग्राहम। यही बात है जिसे मैं हमेशा... अच्छा है। तो, आप जानते हैं कि, भाई ग्राहम और मैं एक साथ मिलकर बहुत अच्छा कार्य कर रहे है; वह बहुत ही लम्बे है और मैं बहुत ही नाटा हूँ। इसलिए मैं... [भाई स्नेहलिग कहते, "वह नीचे के फल को तोड़ते हैं, और मैं ऊपर के फल तोड़ता हूँ।" भाई ब्रन्हम और सभा के लोग हंसते है।] कभी–कभी मुझे उन्हें हिला कर नीचे करना पड़ता है तो ये गिरेगा... [टेप पर खाली स्थान है।] धन्यवाद, भाई ग्राहम। मैने अभी तक इस पर सोचा नहीं है, उस आग के लिए। हम इसे वेदी पर चाहते हैं, क्या हम नहीं चाहते? आमीन। क्यों, आप...

9 उस रात्रि जहाँ हम बैठे हुए थे, वहाँ दूर–दूर तक हजारों लोग थे, और वे सारे अपने हाथों से तालियां बजा रहे थे, और परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे, हमारे पास बस क्या ही महिमामय समय था, तब हमारे पास आग ठीक वहां वेदी पर थी।

10 और हम इस आने वाले गर्मियों के समय में बेदारी की घोषणा करके बहुत आनंदित है। अब मैं...

11 मैं यहाँ कलीसिया के साथ होऊंगा, भाई ग्राहम और आप सब के साथ, अगले आठ या दस दिनों के लिए, मैं समझता हूँ, कि जहाँ तक कि मैं जानता हूँ, मैं हर सभा में होना चाहता हूँ, मेरे लिए जितना संभव हो सके। तब मैं...

12 वहाँ से हम, होस्टन, टेक्सास, के लिए रवाना होंगे, कोलिसियम की ओर। एक अच्छा बड़ा भवन मिला है, वहाँ सत्रह हजार लोग बैठते हैं, और हम बस एक महान समय की आशा कर रहे है।

13 कोशिश की... हमने वहाँ एक प्रार्थना की पंक्ति लेने के लिए कोशिश की, लेकिन हम यह वहाँ नहीं कर सके; एक सेवक एक स्थान में, और एक दूसरा, प्रार्थना पंक्ति में। लेकिन, ओह, यह इस प्रकार से कार्य नहीं करेगा, और केवल भाई जेगर्स को आगे जाना था।

14 और, कहता हूँ कि, मैं एक और बात की घोषणा करना चाहता हूँ। भाई जेगर्स खड़े हुए और अपने स्थान को लिया जैसे हमने कैलगरी में लिया। वह... मिशनरी बैपटिस्ट और फ्री विल बैपटिस्ट और सारे (आप जानते होंगे, टेक्सास बैपटिस्टो से भरा हुआ है), वे उसके पक्ष में खड़े हुए, लेकिन मूल सिद्धान्त बैपटिस्ट उस—उस कार्यक्रम के विरुद्ध उठ खड़े हुए। और, ओह, किस तरह उन्होंने उसके लिए अखबार में लिखा और बहुत सी बातें। अच्छा, उन्होंने, उसे बाईबल के प्रश्न लिखें, सो उसने उन्हें उत्तर दिया। और उन्हें मिला... जब उनके पास उनका अपना प्रमाण था, तब राजनीति के कुछ लोग खड़े होते है, क्यों, वे इस बात को उस अखबार में नहीं छापते। इसलिए भाई जेगर्स, हमने वहाँ एक सभा बुलाई, और उस शहर के साथ सहयोग देने वाले पच्चतर सेवक वहाँ एक साथ आए, हमने इसकी एक फोटो स्टेट कॉपी ली है, और कहा कि, "क्या यह बोलने की स्वतंत्रता है? क्या प्रेस की यही स्वतंत्रता है? " इस प्रकार से, और इसे बाहर भेजा। और अगली सुबह दस हजार पाठकों ने अखबार छोड़ दिया।

15 और वे घुटनों के बल, रोते हुए आये, कहा, "स्वतंत्रता के साथ हम इसे अखबार में, प्रकाशित करेंगे, आपको हमें एक पैसा भी नहीं देना होगा।"

16 ओह, भाई, सुनो, तुम कलीसिया। एक समय हम रेलवे की पटरी के पास रहा करते थे; हम और अधिक नहीं जानते। अब हम हाल्लेलुय्या मार्ग पर रहते हैं। जी हाँ, श्रीमान। हम लाखों की श्रेणी में आते हैं। हम आया करते थे, वहां हम में कुछ सैकड़ों ही हुआ करते थे, लेकिन हम लाखों में बढ़ते गए, अब लाखों है। और एक साथ जुड़ गए, हम बहुत सामर्थ से भरी कलीसिया है, गिनती में अधिक, वहां इस संयुक्त राज्य में; यह ठीक बात है, मैं समझता हूँ कि, संसार भर में। अकेले, पिछले वर्ष ही, हमारे पन्द्रह लाख मत परिवर्तन हुए लोग थे। इस पर सोचें, पन्द्रह लाख मत परिवर्तन हुए, संपूर्ण सुसमाचार के लोगों में, ऐसा है, यह पिछले वर्ष की साधारण व्यवस्था के साथ है। ओह, हम अब उस पर आ रहे हैं।

17 और यह छोटे–छोटे अखबार और चीजें जो कि... ये कैथोलिक लोगों के विषय में बात नहीं करेंगे, ये उनसे डरते हैं। देखिए, वे ऐसा करने से डरते थे। लेकिन हम अब भी वहाँ गिनती में बढ़ रहे है। हमारे पास अधिकार है। आईये हम परमेश्वर के दिये गये अधिकार का दावा करें। यह ठीक बात है। इसलिए अब हम इस वर्ष आगे बढ़ रहे है, परमेश्वर के साथ जो हमारी सहायता हैं और हमारी ढाल है, कारण से... अपनी पूरी कोशिश करते है कि बेदारी हो। अब मैं...

18 [कोई भाई ब्रन्हम से बात करता है—सम्पा।] ओह, यहां पर? आप सब को मुझे बताना होगा कि कहाँ रुकना है। वहाँ ठीक, ठीक वहाँ पर। ठीक है। मैं *इधर* की ओर जा सकता हूं और मुड़ कर देख सकता हूं।

19 और सो, अच्छा, कितने लोगो को क्रिसमस पर अच्छा अनुभव होता है? कहे, "आमीन।" ओह, प्रभु, प्रभु! देखिए! यह आनंद करने का समय है, वो समय जब हम सब एक साथ एकत्र हो सकते हैं और मसीह की आराधना कर सकते है।

20 और मैं—मैं नहीं, मुझे संदेश नहीं मिला, कुछ नहीं। मैने यहाँ बस बाईबल को खोला जब वो वहां पर बात कर रहा था। मैं यहाँ पर घूमा, मैने कहा, "मसीह का जन्म कहाँ है? " अब लगभग सभी इसी विषय में बातें कर रहे हैं। और इसलिए मैं बस कुछ देर के लिए पढ़ूंगा और तब कुछ पा लूँगा, और केवल इसके साथ–साथ लड़खड़ाते हुए चलता रहूँगा जब तक प्रभु का आत्मा कुछ बातों को नहीं उठाता है।

21 अब, आरंभ करने के लिए, आइये हम लूका से आरंभ करें, लुका का पहला अध्याय। यही मसीह के उस—उस जन्म का आरंभ है। और हम कुछ यहां से पढेगे, या थोड़ा सा वचन के विषय में सिखायेगे यदि हम कर सकते है। हम नहीं जानते कि प्रभु हमारे लिए क्या करेगा, लेकिन हम बस भरोसा करते हैं कि वह हमें महान आशीष को देगा।

22 कहते है, मैने आपका रेडियो प्रसारण सुना। यह बहुत अच्छा था। बढ़ते रहे, बढ़ते रहे, वचन को प्रचार करे।

23 अभी वहाँ भाई ग्राहम को बता रहा था, "यदि अब तक कभी कोई समय रहा था कि मसीहो एक दूसरे की आवश्यकता पड़ी हो तो वह ठीक अब है, ठीक अभी।" आप जो भी करते है, सारी बातों को एक ओर रख दें; क्योंकि मैं परमेश्वर के अनुग्रह पर विश्वास करता हूं... मैं बस थोड़ा सा,

कुछ मिनटों तक इस पर बात करूंगा कि, अब हमें—हमें एक दूसरे की किस प्रकार से आवश्यकता है।

24 वह महान... मैं विश्वास करता हूँ कि हम सामना कर रहे हैं... क्या आप मुझे सुन पा रहे हैं? [सभा "आमीन" कहती हैं।—सम्पा।] तो ठीक है। हम अभी सामना कर रहे हैं, उस सबसे बड़े नाटक को देख रहे है जो कि अब तक कभी सारे मानव इतिहास में हुआ है, जो यहाँ हमारे सन्मुख कार्यवंत हुआ है। यहाँ जो संसार का बड़ा कार्य क्षेत्र है, और वह नाटक जिसे ठीक अब परमेश्वर अभिनय करने जा रहा है। यह एक चौंकाने वाली बात है, संसार भर में देखने के लिए और देखना कि किस तरह चीजें एक साथ मिल कर आगे बढ़ रही है। ओह, मित्र, यह कुछ तो घटित होने के लिए तय है। यही है जिसके विषय में हमने बातें की है और इस विषय में कहा है, जो ठीक अभी यहाँ पर है। यह पहले ही हर स्थान पर शुरू हो चूका है, आरंभ हो चूका है।

25 वहां एक बड़ी तस्वीर है आपके लिए आज सुबह चित्रित करना चाहूंगा। मैं बाहर मैदान में एक मेमने को चरते हुए देखता हूं। वह छोटा सा जन अधीर हो जाता है और वो केवल... वह अचम्भीत हैं। वहां सरकंडो की ओर देखता है जो ठीक उसके पीछे है, मैं देखता हूँ कि एक सिंह दुबका हुआ है, बहुत ही आराम से। समझे? अपनी पूंछ को जमीन पर मार रहा है, और अपने पैरों को उछलने के लिए तैयार कर रहा है।

26 यही है वहां पर मैदान में एक कलीसिया है। साम्यवाद का अंधकार समस्त संसार में फैल रहा है, एक बड़ी परछाई के जैसे पास आ रहा है।

27 यह विषमता का नियम है। जैसे दिन के निकलने से पहले होता है उसे ले, ये हमेशा ही एक दिन निकलने से पहले अंधेरा होता है, क्योंकि दिन आरंभ हो रहा है, अंधेरे को हटा रहा है। यह भी विषमता का नियम है, आप देखिए, दिन निकलने के पहले घोर अंधकार को बनाता है।

28 और अब हम इसी चीज़ में है। दिन से पहले ये बस घोर अंधकार होता है। अंधकार की महान परछाई भीतर आ रही है, ताकि पाप के पुरुष को पूरा करें। क्या आपने ध्यान दिया, इसी क्रिसमस के समय में, सारे साम्यवाद राष्ट्र, बजाये इसके की मसीह चरनी में है इस बात को बाहर भेजे, वे स्टेलिन की छोटी किताबे भेज रहे हैं, उस पर स्टेलिन की चित्र को डालते हुए; वह मनुष्य जो विरोध करता है, वो स्वयं उस सब के ऊपर

है जो परमेश्वर कहलाता है, इत्यादि, संसार के बड़े भाग को अपनी पकड़ में ले रहा है। और उसके बाद दूसरी बात, जो, ये सब है, यही है जो वचन को पूरा करते है।

29 और उसके बाद, फिर से, मैं चाहता हूँ कि एक और चीज़ पर ध्यान दें, एक जो पूरा हो रहा है। ये लोग जो औपचारिक है इन औपचारिक कलीसियाओ में है, इस गतिविधि के विरोध में उठ रहे हैं। और बाईबल ने कहा कि, "वे भक्ति का भेष धरेगे, परंतु उसकी शक्ति का इन्कार करेंगे; ऐसों से परे रहना।" और वे उनके स्थान को ले रहे हैं।

30 साम्यवाद इसके स्थान को ले रहा है।

31 परमेश्वर की स्तुति हो, पवित्र आत्मा अपने स्थान को ले रहा है। हां। "जब शत्रु बाढ़ के नाई भीतर आता है, तो मैं उसके विरुद्ध अपने दर्जे को ऊँचा करूंगा।" यह सही बात है। और कलीसिया अपने स्थान को ले चूकी है, मेरा अर्थ पवित्र आत्मा की कलीसिया।

32 अब यही वो सब जिसमें मेरी रुचि है, मित्रों, और मैं यहाँ पर हूँ। वहाँ बाहर, मैं बीमारो के लिए प्रार्थना करूँगा। लेकिन यहाँ पर मैं एक ही चीज में रुची रखता हूँ, और वह है परमेश्वर की नया जन्म पाई हुई कलीसिया हो। यह ठीक बात हैं। जो भी है, यही है जिसमें मेरी रुचि है। मैं नियमों, और डिकनों, और इस प्रकार इत्यादि में रुचि नहीं रखता, या कलीसियाओं की व्यवस्था में। मैं तो कलीसिया पर पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में रुची रखता हूँ, क्योंकि यही वो दिन है जिसमें हम रह रहे हैं। यह मूल सिद्धान्त भाग है, और यही है जिसके लिए हम देख रहे हैं।

अब प्रार्थना के कुछ शब्द को करेंगे।

33 स्वर्गीय पिता, इस सुबह, हमारे मध्य में चलें फिरें। प्रभु, इसे प्रदान करें, और होने पाए कि परमेश्वर का आत्मा इस सभा को अधीनता में ले ले। प्रभु, यहाँ के कार्य को आशीषित करें। हमारे भाई ग्राहम को आशीषित करें। परमेश्वर, उसे आज रात्रि बुद्धि के शब्दों को दीजिये, इस रेडियो प्रसारण पर, होने पाए कि—कि वह लोगों को झंझोर सके... वचन को प्रचार करने के द्वारा। प्रभु, इसे प्रदान करे। होने पाये कि पापी जन रोये, और अपने–अपने कमरों में घुटने टेके और अपने हृदय मसीह को दें। यदि यहां इस सुबह कोई भी अविश्वासी जन है, या कोई है जिसने मसीह को स्वीकार नहीं किया हो, होने पाए कि वे भी आ जाए।

34 और अब इस सुबह लोगों के हृदय में एक बेदारी आरंभ हो जाए, प्रभु। होने पाये यह एक फिर से नया होने का समय हो, एक समय जब आत्मा फिर से नया बनायेगा। और, ओह पिता, हम इसी प्रकार से प्रार्थना करें। आकर हमारे हाथ को थाम लिजिये, हममें से प्रत्येक के, यहाँ हमें इस मार्ग में ले चलें। हमें इस महान चित्र को दिखाये जो यहाँ क्रम में रखा हुआ है, अपने भेदों को आज सुबह संतों के हृदयो पर प्रकट करते हुए, जिससे कि हम देख सकें कि ठीक यहां हमारे सम्मुख क्या है। और जैसे कि हम यहाँ पर चलते हैं, प्रभु, परमेश्वर के हथियारों के साथ, और हम वीर सिपाहियों के समान जाए, ताकि शत्रु का सामना कर सके। लेकिन हम उसका सामना कैसे कर सकते हैं जब तक कि हम उसकी विधियों को ना जाने? और इस सुबह समझने में हमारी सहायता करें और हमें दिखाये... वहाँ उसकी अग्रभूमि को, जिससे कि हम जान सकें कि उसका कहाँ पर सामना करना है। क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

35 आईये 2 रा अध्याय, आईये इसे पढ़ें।

और उन दिनों में ये ऐसा हुआ कि, वहां पर औगूस्तुस कैंसर की ओर से आज्ञा निकली, कि सारे जगत के, कि उन लोगों के नाम लिखे जाये।

(यह पहली नाम लिखाई उस समय हुई... जब सूरिया का हाकिम था।)

और सब लोग नाम लिखवाने के लिए अपने–अपने नगर को गए।

और गलील के नासरत नगर से दाऊद के नगर भी गया, यहूदियों को गया, जो बैतलहम कहलाता था। (सो यूसुफ़ भी इसलिए कि वह दाऊद के घराने और वंश का था:)

कि अपनी मंगेतर मरियम के साथ, जो गर्भवती थी नाम लिखवाए।

और उनके वहाँ रहते हुए, उसके दिन पूरे हुए जिस समय उसके बालक को जनने के दिन पूरे हुए।

और वह अपना पहिलौठा पुत्र जनी, और उसे कपड़े में लपेटकर और उसे चरनी में रखा; क्योंकि उसके लिए सराय में जगह ना थी।

36 अब बस एक बुनियाद के नाई, कि... जब तक मैं उस भाग पर ना आ जाऊं जिसे कि मैं आज सुबह को लूँगा। और आप सब लोग अपने आप को प्रभु की आत्मा में बने रहने दे।

37 अब, आज, हम लोग सारे संसार भर में यीशु के जन्म को मना रहे हैं, जो कि अब केवल एक रीति रिवाज़ है। यीशु दिसंबर पांच को नहीं जन्मा था या ना ही कुछ इस प्रकार... या दिसंबर के 25 को। हम जानते हैं कि यह असंभव है। क्योंकि यहूदिया के सारे पहाड़ इस समय में बर्फ़ से भरे होते हैं, इसलिए यह कैसे हो सकता है? यीशु साधारण रूप से, ज्योतिष विद्या के द्वारा, और इत्यादि, और उस सब के द्वारा जो वह जन्मा, पहले, लगभग पहली अप्रैल के आसपास, सो जब यह वसंत का समय था। लेकिन यह एक दिन है, जो कि ठीक है, बस इसे आराधना करने के लिए एक तरफ कर दिया गया है, उसके जगत में आने की यादगार में।

38 परमेश्वर ने जो अब तक का कभी जगत को सबसे महान उपहार दिया, वह यीशु मसीह था। जो कि, हम यह जानते हैं। और अब इस सुबह मैं उसके दैविकता के ऊपर बोलना चाहता हूँ कि, वह कौन है। बहुत से लोगो ने उसे छोटे बालक के समान वहाँ पालने में रखा है, और आदि–आदि। लेकिन यह—यह तो बस चित्रों में से एक चित्र था, केवल नाटक का एक द्रश्य, इस बात को दर्शाने के लिए कि वह वास्तव में कौन है, उसकी दैविकता।

39 और उसने कहा, उसके आगमन के वचनों में, उसके विषय में यूहन्ना के—के दिनों से लेकर बोला गया। वहाँ पीछे यहाँ तक कि उत्पत्ति में, इस बात की भविष्यवाणी की गई थी कि, "स्त्री का वंश सर्प के सिर को कुचलेगा," इस बालक—बालक की प्रतिज्ञा करते हुए, जो मसीह यीशु है। और वो सारे भविष्यवक्ताओं में रहा है, अधिकांश हर भविष्यव्यक्ता ने जो अब तक बाईबल में लिखे हुए थे, और उसके पहले और दूसरे आगमन के विषय में बोला, कि वह संसार में कब आएगा।

40 यीशु तीन बार आता है। वह पहली बार आया, कि अपनी कलीसिया को *छुड़ा* ले। दूसरी बार, वह अपनी कलीसिया को *लेने* के लिए आता है। और तीसरी बार, वह अपनी कलीसिया के *साथ* आता है। बाईबल में हर चीज तीन में चलती है, तीन, लेकिन मसीह में सब एक हैं। वो, याद रखना, पहली बार, अपनी कलीसिया को *छुड़ाने*; दूसरी बार, अपनी

कलीसिया को *लेने*; तीसरी बार, अपनी कलीसिया के *साथ*, एक राजा रानी के नाई।

41 अब लेकिन उसके पहले आगमन में, हम अब थोड़ा सा बोलेंगे, और उसके बाद उसके यहाँ होने पर; और उसके बाद उसके दूसरे आगमन पर, इसके ऊपर; और फिर तीसरी बार; यदि प्रभु ने चाहा तो।

42 अब इन दिनों में, वहां कलीसिया के विरुद्ध बहुत ही सतावट थी। कैसर ओगुस्तुस ने एक बड़ी योजना बनाई, कि वह सब लोगों पर टैक्स या कर लगायेगा। और यह एक उद्देश्य को लेकर किया गया, ताकि परमेश्वर की महान भविष्यवाणी पूरी हो जाये।

43 आपको केवल एक कार्य करना है, जब आप बाईबल में कुछ देखते है, तो कुछ रहस्य से भरा दिखाई पड़ता हो और आपके लिए थोड़ा अंधविश्वास दिखता हो, तो केवल परमेश्वर को थोड़ा समय दे। परमेश्वर जल्दी में नहीं होता है। हम हैं जो जल्दी में रहते है। परमेश्वर को केवल थोड़ा समय दे, और आप भविष्यवाणी के पुराने पहियो को देखेंगे, पहिये के दांते, ठीक तस्वीर में घूमते हैं। यह तस्वीर को उभारेगा, बस जैसे की एक तस्वीर को सामने लेकर आता हैं।

44 जैसे कि उस दिन कोई एक कह रहा था, उसने कहा, "परमेश्वर, वो क्या था? " जब वह वहाँ उस ओर पीछे लाखों और लाखों वर्षों पहले था, जब वो... जैसे कि यह यहाँ पर अंतरिक्ष है; और तब वो लोगोस के अंदर एकत्र हुआ; और उसके बाद वो लोगोस में से आगे मसीह के अंदर आया। देखिए, यह बस परमेश्वर *इस* प्रकार से नीचे आ रहा है, धरती पर, तब फिर से सीधा परमेश्वर में वापस जा रहा है। क्या आप नहीं देखते कि मेरा क्या अर्थ है? केवल चक्र काट रहा है, अंतरिक्ष से नीचे आते हुए, अनन्तता से; एक साथ सिमट कर, लोगोस के अंदर नीचे आते हुए; लोगोस से, वहां मनुष्य के अंदर, और उसके बाद फिर से सीधे वापस जा रहा है। केवल एक उद्देश्य के लिये, कि उस मनुष्य को छुड़ा ले जो गिर गया था।

45 अब, यही है जिसके लिए वो आया, कि एक छुड़ानेवाला बने। और इससे पहले परमेश्वर छुड़ाने वाला बने, उसे व्यवस्था के, अनुसार छुड़ानेवाला निकट कुटुम्बी होना है। उसे हमारा कुटुम्बी होना है।

46 और परमेश्वर ने आरंभ में उसका पहला मनुष्य बनाया, उसने उसे आत्मा में से बनाया। और आत्मा मनुष्य का अद्रश्य भाग है, जिसे आप

नहीं देखते है। अब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरुप में बनाया। क्या आप मुझे सुन रहे हैं? तो ठीक है। परमेश्वर ने मनुष्य को अपने खुद के स्वरुप में बनाया। "और परमेश्वर एक आत्मा है।" बाईबल ने कहा। और पहला मनुष्य जो बनाया गया उसके पास सारी सृष्टि के ऊपर शासक था, बस जैसे कि आज पवित्र आत्मा कलीसिया को चलाने वाला शासक है। उसने सृष्टी की अगुवाई की। उसने जानवरों की अगुवाई की।

47 लेकिन वहाँ भूमि को जोतने के लिए कोई मनुष्य न था, इसलिए परमेश्वर ने मनुष्य को भूमी की मिट्टी से बनाया। और उस मनुष्य को, उसने उसे हो सकता है एक बंदर के जैसे हाथ दिया होगा, उसने उसे हो सकता है भालू के समान पैर दिया होगा। जो भी उसने किया, उसने इसको एक साथ एकत्र किया, और एक मनुष्य को बनाया। लेकिन ये मनुष्य, उसने उसमें अमरहार आत्मा को डाला, जो कभी नहीं मरता, इस मनुष्य के अंदर, और वह पशु से अधिक बन गया; वह एक मनुष्य बन गया।

48 तब यहां पर यह मनुष्य, जो कि मैं सोचता हूं कि वे नास्तिक और उनमें से कुछ यहाँ–वहां खड़े होकर इस पर विवाद करते होंगे। लेकिन समय आता है जब परमेश्वर अपने प्रकाश चमकाता है, यहाँ वह घड़ी है कि जब परमेश्वर चीजों को कर रहा है। यह ठीक बात है। और इसलिए अब वे वाद विवाद करते है, "अच्छा, उसके पांव भालू के समान दिखते है, और उसके हाथ एक—एक वनमानुष के जैसे या एक—एक बंदर के समान दिखते हैं, या, आदि–आदि," और वे यह कहने की कोशिश करते हैं कि उसका मूल ऐसा आया था। इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है।

49 यह तो मांस की देह है जिसमें कि वह बस वास करता है, घर के सामान, यह वापस भूमि की मिट्टी में मिल जाएगा। लेकिन आत्मा अमरहार है; यह परमेश्वर से आता है। यही परमेश्वर का स्वरुप है। परमेश्वर एक आत्मा है।

50 इस मनुष्य ने अपना मूल अदन वाटिका में खो दिया। उसका संबंध, परमेश्वर के साथ सहभागिता वहाँ समाप्त हो गयी थी, पाप और अविश्वास के कारण। अविश्वास किसमें? परमेश्वर के वचन पर। एक बार हवा की एक तस्वीर चित्रित की गयी थी, और उसे बताया गया कि वह कितनी चमकदार होगी यदि वह केवल—केवल परमेश्वर के वचन को ठुकरा देती है तो, "यहाँ तर्क को देखिए।" आप नहीं कर सकते। परमेश्वर...

51 तर्क–वितर्क और परमेश्वर के वचन के बीच अंतर है। परमेश्वर का वचन सत्य है; तर्क–वितर्क झूठा है। आप कुछ भी तर्क–वितर्क नहीं कर सकते हैं। यह ठीक बात है। देखो, हमारे पास इतनी बुद्धि नहीं है, यह इतना योग्य नहीं है, या ना ही कभी होगी कि परमेश्वर के अनंत ज्ञान को भलीभाँति समझें। और, इसलिए, आप इस पर तर्क–वितर्क नहीं कर सकते; आपको केवल इसका विश्वास करना है।

52 और सो तब चित्र को चित्रित किया गया, वहाँ हमारे प्रथम पिता और माता का, और वे गिर गए। और इसने परमेश्वर के साथ संबंध को तोड़ दिया, और अदन की वाटिका से बाहर निकाले गए। उस घड़ी से लेकर, परमेश्वर ने वाटिकाओं में, ऊपर और नीचे पुकारना आरंभ किया, उसके—उसके खोये हुये बच्चो को ढूँढ रहा है।

53 और तब केवल एक ही मार्ग है कि परमेश्वर उसे कभी छुड़ा सकेगा, कि उसे बनना होगा... कि वो खुद नीचे उतर कर आये और उसे छुड़ा लें; ना ही किसी दूसरे को भेजकर, ना कि किसी और को भेजकर। वह एक दूत को नहीं भेज सकता; यह ठीक नहीं होगा। लेकिन केवल एक ही मार्ग है कि वह मनुष्य को छुड़ा सकता है, कि उसे स्वयं नीचे आकर और उसे छुडाना था।

54 यदि कोई तो यहां पाप करता है, और, ओह, मैं इसका न्यायी होता था, इस झुंड के लोगों का, और मेरा आप सब लोगों पर न्याय अधिकार होता, और यदि मैं... यदि किसी ने पाप किया, और मैने कहा, "अब, मैं... भाई ग्राहम, मैं चाहता हूँ कि आप दाम चुकाये।" यह न्याय नहीं होगा। यदि मै अपने निज पुत्र के लिए भुगतान करने को कहूं, तो यह अब भी न्याय नहीं होगा... ? ... न्याय। केवल एक ही मार्ग है कि मैं न्याय कर सकता हूँ, कि मैं अपने आप को उसके स्थान पर रखूँ। और क्या? मैं ही वह एक था जो न्याय से होकर गुजरा, और फिर यदि मैं मनुष्य को छुडाना चाहता हूँ, तो मुझे स्वयं उसका स्थान लेना है। क्या आप अब भी मुझे सुन रहे है? [सभा "आमीन" कहती हैं—सम्पा।]

55 अब, देखिए, मैं चाहता हूँ कि आप कुछ तो ध्यान दें। फिर जब यह, केवल एक ही मार्ग था कि परमेश्वर स्वयं इस मनुष्य को कभी छुड़ा सकता है, कि वह नीचे आकर और उसका स्थान ले। और यह छुड़ाने का एक नियम था जो मूसा के द्वारा दिया गया था, कि यह छुड़ाने वाले निकट

कुटम्बी के जरिये से होना है; एक मनुष्य उसे पहले योग्य होना था, एक मनुष्य जिसके पास पूरा दाम हो, एक मनुष्य तब जो लोगो के बीच गवाही दे और किसी की खोयी हुयी संपत्ति को छुड़ाए, जो गिर गया था। और, तब, परमेश्वर योग्य था। वह लगभग उन्नीस सौ वर्ष पहले नीचे आया, एक बालक के रूप में, चरनी में जन्मा, पवित्र आत्मा के द्वारा छाया हुयी, ना ही शारीरिक संबंध से जन्मा। वह परमेश्वर था। परमेश्वर का लहू उसमें था।

56 बालक हमेशा ही अपने पिता का लहू होता है, ना ही कभी अपनी माँ का। हम सब यह जानते है। बिना... मैने यहाँ इसे पहले, समय–समय में, सिखाया है, और आप जानते हैं कि बालक में अपनी माँ का उनमें रत्ती भर भी लहू नहीं होता, बिलकुल जरा भी नहीं।

57 नहीं, कुछ भी नहीं होता। यह हमेशा ही नर का लहू होता है। एक मुर्गी एक अंडा दे सकती है, लेकिन यदि वह उर्वक नहीं होता है, तो बच्चा कभी भी बाहर नहीं आयेगा। इससे कोई मतलब नहीं कि अंडा कितना सुंदर है, और वह उसे कितनी भी अच्छी तरह से गर्मी दे, यह सदा बांझ ही रहेगा। वह ठीक वहीं पर पड़ा रहेगा और सड़ जाएगा, यह सही बात है, जब तक की नर पक्षी मादा पक्षी के साथ ना रहें, और जीवन का जीवांश नर से आता है।

58 इसलिए, जब कि मरियम, "किसी पुरुष को जाने बिना," वह नर के साथ थी, परमेश्वर, सर्वशक्तिमान यहोवा, और उसने उस पर छाया की, और परमेश्वर वो सृष्टिकर्ता, जिसने मरियम के गर्भ में लहू कोशिका की सृष्टी की, "किसी भी पुरुष को बिल्कुल भी जाने बिना।" और इसी ने उसी परमेश्वर के सिरजे हुए लहू को लाया, कि हमें हमारे उस जीवन से छुड़ाये जो यहाँ आ रहा था शारीरिक इच्छा से जन्म ले रहा था।

59 और तब वो लहू इम्मानुएल की नसों से निकाला गया था, उस कलवरी के क्रूस पर, और आज वही बचाते आ रहा है, छुड़ाते आ रहा है, पवित्र सामर्थ जिसने इसे कलवरी के दिन इस लहू को हममें चढ़ा दिया था। आप विश्वास करते है? आमीन! अब, यह सही बात है, हम परमेश्वर के लहू के द्वारा छुड़ाये गए हैं। बाईबल कहती है, "हमें लहू के द्वारा खरीदा गया है, और लहू के द्वारा छुड़ाया गया है, परमेश्वर के अपने ही लहू के द्वारा।"

60 यह किस तरह से परमेश्वर का लहू था? परमेश्वर में लहू नहीं होता है। यह भला कैसे हो सकता है? क्योंकि यह लहू परमेश्वर का सृष्टी हुआ

लहू था, जिसकी उसने सृष्टि की, हमें छुड़ाने के लिए, और आकर उसी देह में रहा जिसकी उसने सृष्टि की थी। इसलिए वो नहीं सका... परमेश्वर को परीक्षा में दु:ख उठाना था; वो परीक्षाओं को नहीं सह सकता था। उसे कामुकता की परीक्षा को सहन करना था। उसे सभी प्रकार की परीक्षाओं को सहन करना था, शैतान के द्वारा उसकी परीक्षा होना था, वैभव में और शक्तियों और—और अधिकारों और आदि–आदि। उसे इस सबमें होते हुए सहन करना था। इस कार्य को करने के लिए, वो आत्मा में परमेश्वर की नाई नहीं हो सकता था; उसे देह में परमेश्वर होना था।

61 अब आज सुबह मैं मसीह की दैविकता पर बोल रहा हूँ, जिससे कि आप जान जाए कि वह कौन है जिसकी आज हम आराधना कर रहे हैं। ना ही चरनी का एक बालक, या ना ही सांता क्लॉस, लेकिन हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर की आराधना कर रहे हैं, उसके पुत्र के दैविकता में।

62 और तब ध्यान दें, कि वो लहू नीचे उतर आया और... और ये मसीह यीशु था। और परमेश्वर स्वयं, आत्मा में से आते हुए, मसीह यीशु के अंदर चला गया। और बाईबल ने कहा, कि, "परमेश्वर मसीह में था अपने आप से संसार का मेल कर रहा था।" क्या यह सही है? परमेश्वर स्वयं, यहोवा, मसीह में रहा और हमारे लिए निकट कुटम्बी बनाया, क्योंकि वह मनुष्य देह में जन्मा था, जैसे कि हम लोग है। क्या यह सही है? लहू की कोशिकायें परमेश्वर के द्वारा उत्पन्न की गयी थी, और वो—वो शरीर की कोशिकाये मरियम के गर्भ में बढ़ी थी, जिसने बालक को उत्पन्न किया। और परमेश्वर नीचे आकर और मनुष्य शरीर में रहा, और हर प्रकार से उसकी परीक्षा की गयी जैसे कि हमारी होती हैं। क्या आप इसे विश्वास करते है? तो ठीक है।

63 अब, उसके बाद, जब उसने ऐसा किया, उसने मुफ्त में अपना लहू दे दिया। उसे ऐसा नहीं करना था। उसने उस बलिदान को दिया। वह सीधा ऊपर महिमा के अंदर जा सकता था। वह स्वयं को रूपांतरण वाले पर्वत की तरह रूपांतरित कर सकता था, स्वर्ग को जा सकता था और हमारे लिए कभी भी नहीं मरता। लेकिन इच्छा से हमारे लिए मरा, उसने कलवरी पर अपने लहू को मुफ्त में दे दिया। यह ठीक बात है। और उसने उठा लिया... वह दु:खी मनुष्य था, दु:ख से उसकी जान पहचान थी, और उसने आम लोगों में एक गवाही दी।

64 रूत में... रुत की किताब में, वहाँ एक बहुत सुंदर तस्वीर है, किस प्रकार से वह बोआज, मसीह की प्रतिछाया है, कैसे वह रूत एक अनजान देश में गयी, एक पिछड़ी हुये के समान, देश छोड़ कर चली गयी, और उसके साथ वापस लायी गयी... मेरा अर्थ है नाओमी, और रूत को संग वापस लायी। और जब रुत वापस आयीं, वह एक... वह मोआब देश की थी। और जब वह वापस आयी, वह एक मोआबनी थी; निश्चय ही जो अन्यजाति दुल्हन कलीसिया की एक तस्वीर है।

65 और जब वह नाओमी को छोड़ने गयी, नाओमी ने उसे बताया, कहा... उसे चूमा और उसे अपने लोगों में वापस जाने को कहा। उसने कहा, "मैं तेरे साथ तेरे लोगों में जाऊँगी। तेरे लोग मेरे लोग होंगे, और जहाँ तू रहे वही मैं रहूंगी, तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा, और मृत्यु को छोड़ हमें कोई अलग नहीं कर सकता। जहाँ तू मरेगी, मैं मरूंगी। जहाँ तू गाडी जाएगी, वहीं मैं गाडी जाऊँगी।"

66 अब वहां अन्यजाति कलीसिया की एक तस्वीर मसीह के अंदर आ रही है। क्योंकि, हम एक समय परमेश्वर से भिन्न थे, वहां केवल यहूदी लोग ही थे—थे जो कि बचाये जाने थे। लेकिन हम, जो मसीह में मर गए, अब्राहम के बीज में लिए गए और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस हुए, और मसीह को अन्यजाति की दुल्हन मिली। यह बिल्कुल ठीक बात है।

67 अब छुड़ाने की व्यवस्था में, बोआज को नाओमी की खोई हुयी सम्पति को छुड़ाने के लिए (जो कि इस्राएल की पिछड़ी हुयी अवस्था है।), तब मोआब—मोआब को बाहर आना था, और जब वह आया, मेरा मतलब बोआज को आना था, और जब वह बाहर आया, उसे फाटक के सामने अपना जूता फेकना था, प्राचीनों के सामने, जिससे कि लोगों में गवाही हो कि उसने उस खोई हुयी स्त्री को उसकी अवस्था से छुड़ा लिया है। और ऐसा करने पर, तब उसने मोल भी लिया, वहां उसे उसकी दुल्हन भी मिल गयी, वह महिला जिसके लिए वो—वो देख रहा था। उसे पहले उस महिला को छुड़ाना था, जिससे कि उसे दुल्हन मिले। क्या आप नहीं देखते?

68 और इसी चीज़ को मसीह ने किया। उसने यरुशलेम के फाटक के सामने लोगों में गवाही दी, जब उसे मारा गया, पीटा गया, पीड़ा दी गयी, और कलवरी को ले जाया गया, कि... गुलगुता की पहाड़ी पर। उसने उस पहाड़ को अपने ही लहू से नहलाया, लोगों में एक गवाही के नाई कि

उसने छुड़ा लिया है आरंभ में वहां पीछे से वे सारे जो गिरी हुई अवस्था में थे, और अपने लोगों को पाप के श्राप से और नरक की पकड़ से छुड़ा लिया है।

69 और यह जानते हुए कि अंतिम दिनों में इसे कुछ और अधिक की आवश्यकता होगी, तब वही अब उसके पास है, उसने कहा, "मैं तुम्हें बिना सहायक के ना छोडूंगा। मैं पिता से प्रार्थना करूँगा और वह तुम्हें एक और सहायक देगा, जो कि पवित्र आत्मा है। वह तुम्हारे साथ हमेशा बना रहेगा। थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे अब और न देखेगा; लेकिन मैं स्वर्ग में जा रहा हूँ और इस बात को निश्चित करूंगा, और मैं वापस आऊंगा और तुम्हारे साथ रहूंगा, यहाँ तक तुम्हारे अंदर रहूँगा, युग के अन्त तक।" यही है जिसके विषय में मैं बात कर रहा हूँ। आप अब भी मुझे सुन रहे हैं? कहे, "आमीन।" यह ठीक बात है। मैं इसी विषय में अब बात कर रहा हूँ, कि वो अब फिर से उसकी सामर्थ में आ रहा है।

70 युग बीत चूके हैं, "ओह, वो कौन है? " प्रभु, इस सुबह वे किसी छोटी सी चीज़ की आराधना करने के लिए सोचते हैं, वहाँ कोई छोटी सी चरनी है, कोई छोटा सा... जो, मैं उसके लिए नहीं सोच रहा हूँ।

71 मैं मसीह के लिए सोच रहा हूँ, महिमा की आशा, इस सुबह हमारे हृदयों में है, पवित्र आत्मा के द्वारा। यह ठीक बात है।

72 ओह, संसार के द्वारा दोषी ठहराया गया! परमेश्वर हमेशा ही संसार में आया; जब वह आया, संसार ने उससे घृणा की। "जैसा कि नूह के दिनों में था, ऐसा ही परमेश्वर के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" मित्रों, हम उन्हीं दिनों है।

73 और अब ध्यान दें, "और थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे ना देखेगा; फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे संग होऊंगा, यहाँ तक तुम्हारे अंदर रहूँगा, इस संसार के अंत तक।" यह सही बात है। वह अब यहाँ पर है। "और इन दिनों में... " कैसे उसकी बड़ी तस्वीर हमेशा घूमती रहती है और उन्हीं कार्यों को पूरा करता है जिसे हम अब देख रहे हैं। महान नाटक तैयार है, और हम अब बड़ी चीजों को घटित होते हुए देखने के लिए तैयार है।

74 कलीसिया को पालने में से निकाल लिया गया है। यह ठीक बात है। पेंटीकोस्टल ने वहां उस ओर इसे झगझोड़ दिया, कुछ वर्षो पहले, वहां

पीछे जब कि लोगों ने पत्थर फेंके, मजाक उड़ाया, और उन पर हंसे, लेकिन वो अब परिपक्वता में बढ़ गयी है। यह बिल्कुल सही बात है। वह घड़ी यहां है, यहाँ है। हाल्लेलुय्या! यह सही है। यही है जिसमें मेरी रुचि है कि, परमेश्वर की कलीसिया को अब एक साथ आते हुए देखूं। हम *यहाँ* पर पीटे गए, और *वहाँ* पीटे गए, लेकिन वह समय आ रहा है जब परमेश्वर हमारे चारों ओर कंबल फैक रहा है, कि हम उस में सिमट जाए, क्योंकि शत्रु फाटक पर है। हाल्लेलुय्या! जी हाँ, श्रीमान। उसने अपने लोगों के लिए कहा, दानियेल ने कहा, "अंत के दिनों की महान बातें, जब यह बातें पूरी होने लगे, ओह, तब लोग महान अद्भुत कार्य करेंगे, विश्वास के लोग, उस दिन में करेंगे।"

75 और वो समय अब आ गया है कि जब महान नाटक, परमेश्वर की तस्वीर सामने रखी है, अंतिम बारिश की। योएल ने कहा, "अंत के दिनों में यह घटित होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यो पर उंड़ेलूँगा; और तुम्हारे पुत्र और पुत्रियां भविष्यवाणी करेगे। अपने दास और दासियों पर मैं अपना आत्मा उंड़ेलूँगा। और मैं ऊपर आकाश में चिन्ह दिखाऊंगा, और नीचे धरती में चिन्ह दिखाऊंगा, और अग्नि के खंभे और धुवें के बादल। ये प्रभु के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले यह पूरा होगा, जो कोई भी प्रभु के नाम को पुकारेगा वो बचाया जायेगा।"

76 यीशु ने कहा, "ये काम जो मैं करता हूँ, तुम भी करोगे, और इससे भी बड़े काम करोगे क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।" हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या! यहाँ पर है जो उसने कहा, वहां पीछे उस—उस वचन में—में, कहा, "यदि तुम मुझमें बने रहो, और मेरा वचन तुममें बना रहे, तो तुम जो चाहो मांगो और वह तुम्हें दिया जाएगा।"

77 कुछ वर्षों पहले, यहां पर आसपास लोगों ने कहा, "तुम लोग जो वहाँ आराधनालय में हो पवित्र शोर शराबा करने वाले लोग हो। तुम सारे *यह* हो, *वो,* और *इत्यादि* हो। और तुम पागल हो!"

78 लेकिन, ओह, प्रभु हम चट्टान पर खड़े हैं, यह सच बात है, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे पर, और अब सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ कलीसिया में तैयार हो चूकी है, आगे आ रही है। हाल्लेलुय्या! मैं उस बात के लिए देख रहा हूँ जब परमेश्वर सारी चीज को हिलाने जा रहा है, हर कहीं पर।

भाई, यह अब यह ठीक अभी अपने ऋतू में आ चूका है। यह जारी है। यह सही बात है।

79 उसकी दैविकता। वो कौन है? उन में से कुछ वहाँ उसे छोटा सा बालक बना कर रखते है। वही वो एक है जो अदृश्य पर खड़ा हुआ है, ओह, प्रभु, मंच पर, उसके हाथों को हिलाया, और बोला और कहा, "वहां उजियाला होने दो," और वहाँ पर उजियाला था। यह यीशु मसीह था। "क्योंकि वह संसार में था, और संसार उसके द्वारा रचा गया, और संसार ने उसे नहीं पहचाना।" वह था... वह परमेश्वर की दैविकता था। देखिए उसने वहां पीछे क्या किया। पहले के अद्भुत कार्यो के विषय में बात करते है; आप चिल्लाने के विषय में बात करते है? जब उसने अद्भुत कार्यो को किया, उन वस्तुओं को बनाया जो कि अब है, वहाँ उन चीजों को बनाया जहाँ पर कुछ नहीं था, उसने बोला और वहां वैसा हो गया था।

80 और वही सामर्थ, वही मसीह! हाल्लेलुय्या! वे रूढ़िवादी, वे लोग जो परमेश्वर की सामर्थ का इन्कार करते हैं, कहे, कि यह गलत है, लेकिन वही सामर्थ जिसने बोल कर संसार को अस्तित्व में लाया ये उन लोगों में हैं जिनके पास पवित्र आत्मा है। यह ठीक बात है। पुरुष और महिलाये, यही समय है कि हमने जान लिया है कि तुम कौन हो। शैतान आपको पीछे छिपाने की कोशिश कर रहा है, आपको यह बता रहा है कि आप एक छोटे से डरपोक बेकार से कुछ तो हैं। आप नहीं है। आप परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां हैं। दैविकता स्वर्ग में नहीं है; यह आपके अंदर है। हाल्लेलुय्या! मैं जानता हूँ कि आप सोचते होंगे मैं पागल हूँ, लेकिन मुझे आपको कुछ बताने दो, भाई: जब आप यह जानने लगते हैं, कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर आपके अंदर रहता है, वो अमरहार जीवन, "मैं अपने जीवन को देता हूँ, जोई," परमेश्वर का जीवन मनुष्य जाति के अंदर है!

81 वह वहाँ पीछे खड़ा हुआ था, वह सारी चीजों का सृष्टीकर्ता है। उसने जीवन को बनाया; मेंढक ओह, मधुमक्खी, बत्तखे, मुर्गियां, जानवर, हर एक चीज़ की सृष्टि की। "और कुछ नहीं बना सिवाये जो उसके द्वारा बनाया गया था।" कौन? मसीह, वो दैविकता! "उसने वहां महामारी को लाया, और सारी चीजें जो मिस्र के दिनों में थी।" किसने? मसीह! "उसने उस—उस सिंह के मुंह को बंद किया। उसने आग की लपटों को बुझाया। वे तलवार

की धार से बच निकले। उन्होंने मरे हुओं को कब्र में से जिलाया।" किसने? मसीह! ओह, प्रभु, यह क्या होगा! वह कौन है? मसीह, वो दैविकता!

82 और, भाईयो, बहनों, वह दैविकता आप में है। "और थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे अब न देखेगा। फिर भी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे संग रहूंगा, यहाँ तक तुम्हारे अन्दर रहूंगा, युग के अन्त तक।" मसीह चरनी में है? नही। मसीह तुम में है! हाल्लेलुय्या! हम मसीह की आराधना चरनी में नहीं कर रहे हैं, लेकिन मसीह तुम में है, वो पवित्र आत्मा, जीवन की आशा, हाल्लेलुय्या, सृष्टिकर्ता, परमेश्वर स्वयं मनुष्य जाति में रह रहा है। "यह अब तक प्रकट नहीं हुआ है कि हम क्या कुछ होंगे, लेकिन हम उसे वैसा ही देखेंगे, जैसा वो है।" क्योंकि हम उसके समान बनेगे, आत्मा मनुष्य जाति के अंदर।

83 उसके लिए कोई स्थान नहीं है। यहाँ पर लोग यह कह रहे हैं कि वे— वे मसीह के लोग है, उनकी कलीसिया मसीह की है, वे जाते हैं... पिछली रात को क्या बात हुई? उन्होंने उनके क्रिसमस के उपहार खोलें। आइये पिता का उपहार देखे; वहाँ एक था... क्रिसमस के पेड़ के नीचे, बहुत से लोगों का, पिछली रात, कहीं पर बीयर का बड़ा बॉक्स रखा हुआ था। यीशु के लिए कोई जगह नहीं है; सब बियर के लिए है। माँ के उपहार को खोला, कार्डो की सजावट। मसीह के लिए कोई स्थान नहीं है; कार्ड के लिए है। यह सही बात है। बजाये छोटी बाईबल के या बालकों के लिए कुछ दे, यह एक छोटी जी–मेन की किताब है, या ऐसे ही कोई छोटी सी चीज। यीशु के लिए कोई स्थान नहीं। बजाये आराधनालय जाने के, वे तमाशा देखने जाते है, नाचने, सारी चीजें करते है और अपने आप को मसीह कहते हैं।

84 भाई, पवित्र आत्मा के द्वारा, जब परमेश्वर की दैविकता, मनुष्य के हृदय में आती है, तो यह हर चीज़ को बाहर करती है जिसे मसीह ने नहीं सिरजा। आप जानते हैं कि यह सत्य है।

85 परमेश्वर, मसीह, महिमा की आशा, आपमें है! ना ही पालने में है; आप में है! यह एक समय था, कि परमेश्वर पीछे आरंभ में, उस वक्त वो मूसा के अंदर आया, वह इस्राएल की संतान में आया, वह पालने में आया। लेकिन अब वे उसकी आराधना करेंगे पहले की तरह जैसे कोई पूर्व ऐतिहासिक

कुछ तो चीज़ हो; जब कि, मसीह आप में है! वह आज यहां पर है, परमेश्वर का पुत्र आगे बढ़ते हुए, उसकी महान कलीसिया आगे बढ़ रही है।

86 आज कलीसिया के पास सूप का भोजन, पकवान का भोजन है, देखो, कौन सबसे अच्छे प्रकार के कपडे पहन सकता है, कलीसिया में ठाट–बाट से जा सकता है, शान से जा सकता है, किसके पास सबसे बढ़िया कलीसिया है, सबसे अच्छी कुर्सियां है, कौन *इसे* बजा सकता है, कौन *ऐसा* कर सकता है। और कोई जगह नहीं; उन्हें हर समय प्रार्थना को छोड़कर कुछ और करना होता था। वह और अधिक प्रार्थना नहीं कर सकते। उनके पास करने के लिए कुछ और है; वे अब और प्रार्थना नहीं कर सकते। वे बस प्रेम नहीं कर सकते, जैसे वे परमेश्वर की सेवा किया करते थे। "उसके लिए सराय में कोई जगह नहीं है।" मित्रों, यह अंत के समय में है। "उसके लिए सराय में कोई जगह नहीं है।" क्योंकि, मैं जानता हूँ कि सराय का क्या अर्थ है, लेकिन मैं इस सराय का उल्लेख कर रहा हूँ।

87 लेकिन बाईबल ने कहा, "उस दिन में जब बादाम का पेड़ हरा भरा होगा, मनुष्य की इच्छा विफल हो जाएगी; क्योंकि वह अपने सदा के घर को जाता है, और विलाप करने वाले गली–गली फिरेंगे; या चांदी की तार टूट जायेगी, और सोते के पास घड़ा फूटेगा।" ओह, प्रभु दया, मेरे मित्र!

88 लेकिन भविष्यवक्ता ने यह भी कहा, "सांझ के समय उजियाला होगा।" यह ठीक बात है। महिमा के मार्ग को तुम अवश्य ही पा लोगे। यह ठीक बात है। सांझ का समय आ गया है। अब कलीसिया, जो एक समय छोटी चरनी के अनुभव के जैसे सजी हुई थी जिसमें कि हम होकर निकले हैं, ऐसे स्थान पर आ गयी है कि अब लोग समझने लगे हैं कि दैविकता और सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ मनुष्य जाति में वास कर रही है।

89 ओह, भाई, बहन, इस सुबह मुझे आपसे यीशु के नाम में बताने दो। क्या आप अब भी मुझे सुन रहे हैं? [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] ओह, प्रभु, मुझे आपको कुछ बताने दो!

90 समय आ रहा है कि जब स्त्रियां और पुरुष बस एक से होने पर हैं। वे इतने अधिक एक से कपड़े पहनते है, आप उन दोनों के बीच अंतर नहीं बता सकते। यह सही बात है। बाईबल में की वे सारी बातें, जो कही गयी वो पूरी होगी, यह यहां है। यह ठीक बात है। आप जानते हैं कि यह सत्य है। क्या यह सत्य है? [सभा कहती है "आमीन।"—सम्पा।] क्या यह सत्य

है? ["आमीन।"] और ऐसा है, यह सत्य है। वे एक सा व्यवहार करते हैं, एक से दिखते हैं, एक से श्रापित है, एक से बात करते हैं। बाईबल ने कहा कि यह इसी प्रकार से होगा। उसने कहा, "अंतिम दिनों में, ऐसा कठिन समय आयेगा। मनुष्य खुद को अधिक चाहने वाला होगा, बजाये परमेश्वर को प्रेम करने के; धोखेबाज, झूठा, दोष लगाने वाला।" क्या यह यहाँ पर है? ["आमीन।"] यह सही बात है।

91 ओह, परमेश्वर की महिमा हो! मैं अपने प्राण में कुछ तो होते हुए महसूस करता हूँ! प्रभु, ओह, जब मैं यहां पर देखता हूँ! "जैसा कि नूह के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" नूह के पास उस दिन में कुछ विश्वासयोग्य लोग थे। परमेश्वर के पास आज कुछ विश्वासयोग्य लोग है। समय आ रहा है, यह महान नाटक तैयार हो रहा है।

92 पुरुष और महिलाये, यदि पवित्र आत्मा आपमें वास कर रहा है, तो वो मसीह जो उन्नीस सौ वर्ष पहले जन्मा था पौरुषत्व में आया। वह कभी भी पालने में नही बना रहा।

93 और आज उसके जन्म दिवस की यादगार में, वे क्या करते हैं? वे किसी पेड़ को लेते हैं, उसे काटते है, छोटे बच्चो के लिए क्रिसमस का पेड़ बनाते हैं। लेकिन वे सोचते हैं... कि यह ठीक है; मैं उसके विरोध में फटकार नहीं लगा रहा हूं। लेकिन बात यह है कि, वे बजाये मसीह के लिए कुछ करने के, क्रिसमस के पेड़ पर बहुत कुछ लगाते हैं।

94 क्रिस क्रिजल सारे राष्ट्र भर में है। वो कौन था? वर्षों पहले एक जर्मन का कैथोलिक संत, एक बुढा व्यक्ति भला करने को निकला। और आज यह बात लगभग आराधना में बदल गई है। यह ठीक बात है। यह अच्छा है कि छोटे बच्चो को बताएं, या आप जो भी करना चाहे, जहाँ तक मेरा संबंध है। लेकिन इस पर बात ऐसी है, ये दूसरी ओर उस मस्ती में गिर जाना बहुत ही आसान है, और मसीह को बाहर करना, जो मसीह का वास्तविक मूल सिद्धांत है, क्रिसमस का। और मनुष्य बजाय वास्तविक क्रिसमस को लेने के वे क्रिस क्रिंजल को लेते हैं, यह ठीक बात है, "सराय में उसके लिए कोई स्थान नहीं है।"

95 यदि हमारे पास समय होता, तो सारा चित्रण करके बताता। मैं जानता हूँ कि देर हो रही है, और यह देर हो रही है।

96 लेकिन देखो मित्रों, घड़ी आ चूकी है, और अब है, कि जब परमेश्वर का महान नाटक यहाँ हमारे सामने तैयार हैं। परमेश्वर का पुत्र, जो पालने में था, अब हृदय के अंदर है। वो परमेश्वर की दैविकता है। वो परमेश्वर है, सृष्टिकर्ता है। उसने कहा, "सारी चीजे... वह संसार में था, और उसके द्वारा संसार बना था, और संसार ने उसे नहीं जाना।"

97 और, आज, यही मामला कलीसिया के साथ है। महिमा की आशा, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, अब लोगों के हृदय में आ चूका है, और वे इसे नहीं पहचानते हैं कि यह क्या है। वे सोचते हैं यह एक जरा सा कलीसिया का सदस्य बनना है, या इसी प्रकार का कुछ तो।

98 लेकिन यह परमेश्वर है, सृष्टिकर्ता, आप में वास कर रहा है, और आपको सारी सामर्थ को दे रहा है। और जो कुछ भी उसके पास था आप उसके अधिकारी है। सो यह आपके अंदर है ताकि बुराई से अलग करे, कि भलाई को करे, बुराई से दूर करके और धार्मिकता की ओर दौड़ें, जिससे कि परीक्षा से दूर रहो। सारी इर्ष्या, घृणा, झगड़ा, शत्रुता और इत्यादि, इससे दूर रहो, क्योंकि वह उसे तुम्हारे हृदय से निकाल लेगा। यदि आप उसे ग्रहण करे, उसे गले लगाएं और उसे प्रेम करें, और उसे अपने हृदय में थामे रहे और उससे प्रेम करें! मैं आपको बता सकता हूँ, कि कलीसिया कुल मिलाकर इसी प्रकार की सामर्थ में होती है, उसके पास सामर्थ है कि आकाश को बांध दे, बीमारों को चंगा करें, अंधों की आँखों को खोल दें, हालेलुय्या, बहरे बोलते हैं... गूंगे बोलते हैं, और बहरे सुनते हैं, लंगड़े चलते है, और अंधे देखते है। क्यों? इसने सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ को अपने हृदय में पहचान लिया है। यही है वो, वो दैविकता।

99 क्या आप उससे प्रेम करते है? कोई आश्चर्य नहीं कवि ने कहा:

> अद्भुत अनुग्रह! कितना मधुर सुनाई पड़ता है,
> कि मेरे जैसे एक अभागे को बचा लिया!
> मैं एक समय खो गया था, लेकिन अब मुझे पा लिया
> गया है,
> मैं अंधा था, लेकिन अब मैं देखता हूं।

100 प्रिय भाईयो, बहनों, यदि आपको आज सुबह, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं मिला है, तो जितनी जल्दी हो सके परमेश्वर के राज्य की ओर दौड़ें। मोहरबंद होने का समय जारी है। शत्रु बाढ़ के सामान आ

गया है; वह इसके विरुद्ध दर्जे को ऊंचा कर रहा है। नाटक तैयार है। कलीसिया जितना अपने घर जा रही है वैसे ही जितना कि कोई भी चीज निश्चत है। मित्र, आपको हमेशा ही रुके नहीं रहना है। आपको हर समय रुकना नहीं है। अच्छा होगा कि आप अभी आ जाए। आपके लिए अच्छा होगा कि आप आज कर लें, यह सही बात है, "जबकि आज, आज है।" इसे अभी कर लें।

101 मित्रों, याद रखे, यह विचित्र लग सकता है। संसार कभी भी... मसीह का धर्म कभी भी लोकप्रिय नहीं रहा है। यह हमेशा ही अप्रचलित रहा है, परमेश्वर का मार्ग, क्योंकि शैतान "हवाओं की शक्ति का राजकुमार है।" उसके पास सारी सरकारे है। हर एक सरकार का नियंत्रण शैतान के द्वारा होता है, ये बाईबल के अनुसार है। शैतान ने ऐसा कहा था। यह सही बात है। वह सारी सरकारों का नियन्त्रण रखता है।

102 और तब बाईबल ने कहा, "तुम सारे पवित्र दूतो आनंद करो, और तुम धरती पर के संतो; क्योंकि इस संसार का राज्य हमारे परमेश्वर का राज्य, और उसके मसीह का हो गया है, और वे... वो राज्य करेगा।"

103 शैतान यीशु को पर्वत की चोटी पर ले गया, और उसे संसार के सारे राज्यों को दिखाया, कहा, "यह सारे मेरे. है, और इन्हें मैं तुझे दे दूंगा।"

104 और यीशु ने कहा, "शैतान, मुझसे दूर हो जा," यह सही बात है। वह उसके साथ नहीं...

105 उसने कहा, "यदि मेरा राज्य, इस संसार का होता, तो मैं स्वर्गदूतो की कितनी ही सेना बुला लेता; लेकिन मेरा राज्य इस संसार का नहीं है, लेकिन मेरा राज्य स्वर्ग में है।"

106 और उसने कहा, "परमेश्वर का राज्य तुम्हारे अंदर होगा।" इसलिए सेनाये और सामर्थ, और पवित्र दूतों का समर्थन (हालेलुय्या) आज सुबह आप में हैं, मसीह की दैविकता के द्वारा, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा। जी हाँ, श्रीमान।

107 इस सुबह आप कौन हैं? मसीह यीशु कौन है? वो आप में होता है जितना आप उसे अपने अंदर आने देंगे। वह जोर दे रहा है, आपके भीतर प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है, जिससे कि आज आपके अंदर आ जाए। और आप अलग खड़े होते है, और सोचते रहते है और देखते है, और टकटकी लगाये देखते है, और कुछ समय पीछे ही खड़े रहते है। ऐसा

ना करें। सीधे आगे बढ़कर परमेश्वर की गोद में चले जाए। वह घड़ी यहां पर है। हाल्लेलुय्या!

108 ओह, मैं उसे कितना प्रेम करता हूँ! वह इन्हीं किन्ही दिनों में आ रहा है। मैं उसे देखना चाहता हूँ। क्या आप नहीं चाहते? मैं उसे देखना चाहता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि हम उसे देखेंगे। क्या आप नहीं देखेंगे? अब वो यहाँ पर है। उसकी सामर्थ मंडरा रही है।

109 लोगों को कौन रुलाने और चिल्लावाने को लगाता है, जारी रखना? क्या माजरा है? यह पवित्र आत्मा उनमें कार्य कर रहा हैं। यदि वे केवल इसे जान सके और—और उसे गले लगाये! पवित्र आत्मा को गले लगा लें, उस पर विश्वास करें, उसे अपने हृदय से लगा ले। सही जीवन जीये, ऐसा कुछ ना करें जो उसे रूकावट लाये। कहे, "हे प्रभु यीशु, मैं आपको चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि आप मेरे पास खड़े हो। पिता, मैं आपके पास खड़ा होने जा रहा हूँ।" और जैसे—जैसे आप होते हैं, वह बस आपके भीतर आने के लिए ज़ोर दे रहा होता है। वह वहाँ अंदर होना चाहता है। वो हर समय, आपसे प्रेम करके अपने लिए जीतना चाह रहा है।

110 अब, मित्रो, मैं जानता हूँ कि यह सत्य होगा। मैं जानता हूँ कि लोग नहीं जानते है कि वे कौन हैं। हर व्यक्ति जो यहाँ उपस्थित हैं वह पाप के ऊपर जीवन बिता सकता है, बिना पाप के जीवित रह सकता है, परमेश्वर में जी सकता है। आप गलतीयों को करेंगे, लेकिन मसीह का लहू आपको क्षमा करेगा। "पिता, उन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि वे क्या कर रहे है।" क्या ये सही है? मसीह की वहीं सामर्थ जो उस कलवरी के क्रूस पर लटकी हुई थी, वही परमेश्वर जिसने उसे पुनरुत्थान के दिन पर जिलाया, अब आप में हैं, आप जिनके पास पवित्र आत्मा हैं। ओह, क्या आप उससे प्रेम नहीं करते? ओह, प्रभु! उसकी आवाज़ सुनो जो आज बुला रही है।

111 उसे आपके हृदय के समीप बढ़ने दो, और कहे, या आपके छाती के समीप, और कहे, "अब, प्रभु यीशु, मैं थोडा सा भिन्न रहा हूँ, इस क्रिसमस के दिन से मै जान गया हूँ कि आप कौन हैं। एक समय मैंने आपकी आराधना चरनी में पड़े हुए छोटे से बालक के नाई की। मैने पहले वहां उस ओर आपको छोटे बालक के रूप देखा, उन्नीस सौ वर्ष पहले, और मैने सोचा, 'ओह, यदि मैं यरुशलेम को जा सकता!'"

112 आज, वे लोग अनुमति पत्र और सारी चीजो को ले रहे है, जिससे कि उस पालने के—के पास उस स्थान पर जाये जहाँ उसने जन्म लिया था, उसी चरनी में। लेकिन, मित्रो, वो *वहाँ* पर नहीं है जहाँ वो जन्मा था; यह ठीक *यहां* पर है जहाँ वो जन्मा था। परमेश्वर उसे हम में से हर एक के पास ले आया, और उसका जीवन हम में वास कर रहा है। ओह, सृष्टिकर्ता, वह चीज जिसने संसार की सृष्टी की, और स्वर्ग की सृष्टी की, पृथ्वी की सृष्टी की, मनुष्य की सृष्टी की, जो ठीक व्यक्तिगत रूप से हर एक में है जिसके पास आज पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है। यही वो चीज है, यही वो भेद है, पवित्र आत्मा को पा लों। वो आप में है। वो महिमा की आशा है।

113 यहाँ पुराने नियम में देखें, जैसे कि मैने बहुत बार इसका हवाला दिया है, जब करारनामा किया जाता था, तो इसे फाड़ कर टुकड़े किया जाता था, एक पशु की मरी हुई देह पर। और वे दो करारनामे को एक साथ लाना होता था, उस करारनामे को आपस में बिल्कुल एक दूसरे से एक साथ जुड़ना होता था।

114 और, आज, परमेश्वर ने एक करारनामा बनाया है। ना ही इसलिए कि आप अच्छे थे, ना ही इसलिए कि आप कलीसिया से जुड़े थे, ना ही इसलिए कि समाज में आपका अच्छा स्थान है। आप हमेशा बहुत अच्छे हो सकते हैं, आप एक साफ़ जीवन जी सकते हैं, आप हर रोज़ चर्च जा सकते हैं, आप हर दिन बलिदान चढ़ा सकते हैं, आप अपने पैसों के हिस्से को दे सकते हैं, आप संसार के सारे पापों को छोड़ सकते हैं, और हर एक चीज़, और बस सच्चा जीवन जी सकते हैं और विश्वासयोग्य जितने कि आप हो सकते हैं, और आप उतना ही स्वर्ग से चूक सकते हैं जितना पूर्व से पश्चिम होता है। यह सही बात है। यह अच्छेपन के द्वारा नहीं है कि हम बचाये गये, लेकिन उसके अनुग्रह के द्वारा कि हम खरीदे गये, कि परमेश्वर पुत्र और पुत्रियां बनाना चाहता है। भलाई उन्हें कभी भी नहीं बनाती है। परमेश्वर का आत्मा उन्हें बनाता है। यदि यह ऐसा नहीं होता था, तो उसे पवित्र आत्मा भेजना नहीं पड़ता था।

115 पवित्र आत्मा भला कैसे पूरा हो सकता है... वो—वो करारनामा कैसे पूरा हो सकता है? यीशु ने कहा, "मैं जाता हूँ, तौभी मैं फिर से आऊंगा; और तुम्हारे संग रहूँगा, यहाँ तक तुम्हारे अंदर रहूँगा। पिता से प्रार्थना करो, और वह तुम्हें पवित्र आत्मा देगा। वह हमेशा तुम्हारे साथ बना रहेगा।"

116 और लोग अपने नाम को कलीसिया की किताब में लिखवाते हैं, और क्रिसमस के दिन पर नये पन्ने को पलटते है, वहां कलीसिया में जाने की कोशिश करते हैं और उस ओर चरनी में कुछ भेंट अर्पित करते हैं। जब, पवित्र आत्मा हर कहीं से ज़ोर लगा रहा है, ढूढने का यत्न कर रहा है... और संसार ने उन्हें इतना अंधा कर दिया है कि वे वहाँ पर जाकर और कहते है, "तो, यह तो पवित्र शोर शराबा करने वालों का झुंड है।" बिल्कुल जैसे ये नूह के दिनों में था, ऐसा ही अब हैं।

117 परमेश्वर के पुत्र का आगमन नजदीक आ रहा है! यह ठीक बात हैं। और केवल वे जो पवित्र आत्मा के द्वारा भरे हुए हैं, जिनके पास अमरहार जीवन उन में रह रहा है, पवित्र आत्मा, यही वो प्रतीक है जो उन्हें यहाँ से खींचने जा रहा है, किसी भी चीज की तरह इतना ही निश्चित है।

118 वहां उस छोटे से पुराने जहाज के विषय में कुछ तो था, नूह के दिनों में, जो पानी के ऊपर तैर रहा था। यह ऊपर से खींचने वाली सामर्थ थी। वहां सबसे ऊपर उजियाला था, कि परमेश्वर की महिमा ऊपर स्वर्ग से चमक रही थी, वहाँ ऊपर की कोठरी में।

119 और मित्रों, मैं आज आप लोगों को बताता हूँ, मेरे शब्द सुनना। एक खींचने वाली सामर्थ है, ना ही कलीसिया से, ना ही पास्टर से, लेकिन महिमा से, पवित्र आत्मा का बपतिस्मा उस सही जरिये से होते हुए आगे बढ़ रहा है, ताकि कलीसिया को ऊपर खींच ले! यह क्या है? परमेश्वर की सामर्थ, उसके जीवन की पहुँच, *जोई*।

120 "यह काम जो मैं करता हूं तुम भी करोगे; इस से बढ़कर तुम करोगे।" उसे सताया गया था, उस पर हंसा गया, उसका मजाक उड़ाया गया, और मर गया, और कब्र में चला गया। लेकिन वह सच्चा था, उसके अन्दर परमेश्वर का आत्मा था, और परमेश्वर ने उसे जिलाया। यदि हम उसी प्रकार से जाते है, तो ऐसे ही हम भी बाहर आते है। ओह, हालेलुय्या! मैं उससे प्रेम करता हूं!

121 अब भी मुझे सुन रहे है? आप उससे प्रेम करते है? आप उसे अपने पूर्ण हृदय से प्रेम करते हैं? क्या वो अद्भुत नहीं है? ओह, प्रभु!

आँखों ने देखा, कानो ने सुना, कि परमेश्वर के वचनों
में क्या बताया गया;
क्या वो अद्भुत नहीं है, अद्भुत!

आइये हम अपने सिरों को झुकाए।

122 स्वर्गीय पिता, हे यीशु, मैं आगे उस महान घड़ी की ओर देख रहा हूँ। मैं देखता हूँ कि ये आ रहा है। मैं देखता हूँ कि कहीं भी कोई आशा नहीं है। मैं देखता हूँ कि एक युग आगे बढ़ रहा है। मैं देखता हूँ, कि साम्यवाद की बड़ी लाल बत्तियां, समस्त धरती पर राज्य कर रही है। मैं देखता हूँ कि औपचारिक कलीसियाये उनके दर्जे को आपकी कलीसिया के विरोध में खड़ा कर रही है, उन्हें दोषी ठहराने की कोशिश कर रही है, कहते हुए, "दिव्य चंगाई गलत है। यह कट्टरपंथीयों का झुंड हैं।" हमारे खुद के व्हाईट हाऊस में एक प्रस्ताव है, कि इसे बंद कर दे।

123 ओह, लेकिन, परमेश्वर उस दिन पर, वहाँ बैठा हुआ और उन संत लोगों को देखता है, वे सारे परमेश्वर की सामर्थ के साथ चमक रहे है, उनके चेहरों की ओर देख रहा है और परमेश्वर की महिमा को देख रहा है! वे इब्रानी बच्चो के समान हो सकते है जो वहां आग की भट्ठी पर थे। "हम कभी भी सिर नहीं झुकायेगे। नहीं। हमारा परमेश्वर हमें छुड़ाने में सक्षम है। प्रभु यीशु, आप जल्दी से आयेगे।"

124 और मैं देखता हूँ कि घड़ी आ चूकी है, जब, "लोग भक्ती का भेष धर रहे हैं, लेकिन उसकी सामर्थ का इन्कार कर रहे है; ऐसो से परे रहना," आपने कहा, आत्मा अंतिम दिनों के लिए बोल रहा है। और हम यहाँ उस दिन में है, आज।

125 यहां हमारी छोटी कलीसिया बैठी हुई है, प्रभु, पुरुष और स्त्रियां जिन्हे मैं विश्वास करता हूँ कि आपसे प्रेम करते हैं। और परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ, कि वह आत्मा जिसने बीते दिनों में बहुतो के हृदयो को भर दिया है, अब गहराई में आयेगा, और अधिकता में। होने पाये वे हर एक ईष्या, हर एक झगड़े, हर एक चीज़ को एक तरफ रखे, जो आपको नापसंद है, और आज आगे बढे, ना ही चरनी की ओर, लेकिन कलवरी की ओर। ना ही पूरी तरह से कलवरी, लेकिन मसीह की ओर, जो महिमा की आशा है, परमेश्वर की दैविकता, परमेश्वर का वैभव, परमेश्वर की सामर्थ जो अब हमारे हृदय में हैं, हमें संसार की चीजो से बाहर खींचने की कोशिश कर रहा है, जिससे कि वो हमें किसी दिन इस धरती से बाहर उठा सकें, एक उत्तम देश में। परमेश्वर, आज इसे प्रदान करें। अपने दास की प्रार्थना को सुने, और लोगों से बात करें।

126 यदि यहां कोई खोया हुआ है, कोई बिना पवित्र आत्मा के हैं, होने पाए वे इस सुबह आपको स्वीकार करे। प्रिय परमेश्वर, इसे प्रदान करें, क्योंकि इसे हम आपके प्रिय प्रेमी पुत्र, यीशु के नाम से मांगते हैं; जिसने उन्नीस सौ वर्ष पहले चरनी में जन्म लिया था, जिसने तैतीस वर्ष के बाद कलवरी पर हमारे पापो के लिए दुःख को सहन किया, जो ऊंचे पर उठाया गया, उसके कुछ दिनों के बाद, चालीस दिनो के बाद। वह महिमा के ऊपर उठाया गया, उसके दस दिनों के बाद फिर से पवित्र आत्मा की सामर्थ में वापस आया, और अब कलीसिया में वास कर रहा है। और जल्द ही, उसी सामर्थ के साथ जिसने उसे जिलाया, पवित्र आत्मा कलीसिया में है, ताकि इसे बाहर निकाले। हे परमेश्वर, आये, क्या आप आकर, और कलीसिया को बचायेगे? क्योंकि हम इसे उसके नाम में मांगते हैं।

127 जबकि आपने अपना सिर झुकाया हुआ है, हम गाने जा रहे हैं, *आज बुला रहा है*। यदि यहाँ पर कोई बिना मसीह के है, बिना परमेश्वर के, बिना आशा के, क्या आप अभी आयेंगे?

आज बुला रहा है!
आज बुला रहा है!
यीशु बुला रहा है,
वो नम्रता से आज बुला रहा है।
वह कोमलता से आज बुला रहा है,
आज बुला रहा है!

128 क्या आप बिना परमेश्वर के हैं, बिना आशा के, बिना मसीह के? क्या आप महसूस करते हैं, मसीही लोगो, कि आपने परमेश्वर के वचन का पूरा जीवन नहीं पाया है? क्या आप नहीं आयेंगे?

... और दूर।
बुला रहा, वह आज बुला रहा है!
आज बुला रहा है!
यीशु आज बुला रहा है,
वह कोमलता से आज बुला रहा है।

129 सुनना, पिता यहां पर है और वो—वो आपको बचाना चाहता है, यदि आप बचे हुए नहीं हैं। मैं जानता हूँ कि आप नहीं है। लेकिन, मित्रों, सुनना, आज सुबह मैं आपके लिए कुछ तो करना चाहता हूँ, जिस समय पर आप

यहाँ खड़े हुए हैं। मैं चाहता हूँ कि आप केवल अपनी आँखें बंद रखें। मैं एक परदे को यहाँ पर खींचना चाहता हूँ और आप कहीं तो उस ओर देखने पाए। हम आज सुबह एक छोटी सी भेंट करने जा रहे हैं, अब जब वो उस गीत के स्वर को दे रही है। मैं परदे को नीचे खींचने जा रहा हूं, केवल उन लोगों के लिए जो यहाँ इस आराधनालय में बैठे हैं, नौजवान और बूढ़े, और सारे।

130 मैं इस सुबह थोड़ी देर के लिए अधोलोक के फाटकों की ओर देखने जा रहा हूँ। वे जानते हैं कि यहाँ पर नीचे क्रिसमस का समय है। वे जानते हैं कि उन्होंने क्रिसमस के समय में क्या किया है। उनमें से कुछ लोगों ने शराब पी है, कुछ इधर–उधर घूम रहे हैं, कुछ लोग कलीसिया में है, कुछ लोगो ने ठट्ठा उड़ाई है, कुछ ने मजा–मस्ती की है। क्या हो यदि यह रेंगने वाला, हड्डी का ढांचा वापस इस कलीसिया के दरवाजे पर आ पाता? आप जानते हैं, अगले क्रिसमस पर आप वहाँ हो सकते हैं। हो सकता है आप एक वर्ष में वहाँ हो, अगले क्रिसमस पर। लेकिन, याद रखे, आप मनुष्य के प्राणों से व्यवहार कर रहे हैं; आप आत्मिक चीजो से व्यवहार कर रहे है, और आप में से हर एक जन को न्याय के दिन पर उत्तर देना होगा। मैं केवल ईमानदार हो सकता हूँ। मैं केवल यह कह सकता हूँ, यदि इस सुबह आपने मसीह को ग्रहण नहीं किया है तो, वह खुले हुए दरवाजे पर खड़ा है! क्या आप उससे बुरा बर्ताव करते है?

131 और आप जिन्होंने पवित्र आत्मा पाया है, याद रखे, कि आपका न्याय होने जा रहा है कि आपने इसके साथ क्या किया है। हो सोचता है आपने मसीह को पवित्र आत्मा के द्वारा पाया होगा, लेकिन आप दोषी ठहराये जायेंगे, हर एक मनुष्य का न्याय उन कामों के अनुसार होगा जो उसने अपने शरीर में होकर किये है। आपके पवित्र आत्मा पाने के बाद, आपने इसके साथ क्या किया है? क्या आपने अपने पड़ोसी के विषय में बातें की है? क्या आपने गलत काम किए है? यदि आपने किये है, याद रखें, मैं ठीक अभी नया जीवन आरंभ करुंगा। कहे, "प्रभु यीशु, आज, अब से लेकर आगे, मैं वही होने जा रहा हूँ, जो आप चाहते हैं कि मैं बनू। मैं इसे जान गया हूँ यह परमेश्वर का अमरहार भाग है, और परमेश्वर का आत्मा मेरी देह में वास करता है। और यदि मैं—यदि मैं गलत रहा हूँ, तो आप मुझे क्षमा करे। मैं—मैं घर आना चाहता हूँ। मैं—मैं बेहतर बनना चाहता हूँ।"

132 उसे यहाँ इस सुबह साबित करे, बस उसी प्रकार से। केवल अपने हाथ को उठाए रखे, मेरे लिए, वहाँ पीछे। कहे, "भाई ब्रन्हम, मैं आज एक नया जीवन आरंभ करना चाहता हूँ।" मैने भी अपना हाथ उठाया है; मैं एक नए सिरे से आरंभ करने जा रहा हूँ। जितना कि मैने अब तक किया है मैं उसके लिए और अधिक करना चाहता हूँ! क्या आप... ? ...

133 सबसे दु:खद कहानी जो मैने कभी सुनी है, एक बार एक युवा महिला, वह, बहुत ही बहकाने वाली युवा महिला थीं। वह एक शानदार घर में थी; उससे मसीह के विषय में बातचीत की गयी। उसके—उसके पिता ने कहा, "मुझे—मुझे उससे शर्म आती है, आदरणीय।" समाज के कारण: वो उस स्तर के लोगों से मिलने जा रही है क्योंकि वह... अब, याद रखे, एक समाज के नाई, आप अपने आप को उन चीजो से बांधते है जिसे, "पागल" कहा जाता है। लेकिन महिला ने बहुत अच्छी शिक्षा को पाया था। जब वो उसमें से बाहर आने के लिए तैयार हो गयी, समाज के साथ जाने के लिए और विभिन्न सभ्य मनुष्यों के साथ जाने लगती है, मृत्यु ने किसी चीज के साथ प्रहार किया: उसे दिल का दौरा पड़ा। उसकी सारी शिक्षा से उसका कुछ भला नहीं हुआ। वह कहीं और चली गयी।

134 आज सुबह आप किस ओर जा रहे हैं? आप किस के लिए स्वप्न देख रहे हैं? मैं परवा नहीं करता कि यह किस प्रकार का झुंड है, आपमें से हर एक, आप इन्हीं किन्ही दिनों में एक दिन अनन्तता में जा रहे हैं। और बिना मसीह के, और बिना पवित्र आत्मा के, आपका प्राण नष्ट हो जाता है। इसे याद रखें।

135 आप वहाँ नहीं पहुँच सकते केवल मसीह को ग्रहण करने के द्वारा, पवित्र आत्मा के द्वारा ही। यदि वो तुम में है, तो वो परमेश्वर की सामर्थ हैं। इसके द्वारा जीते हुए। वो परमेश्वर तुम में हैं। बाईबल ने कहा, "तुम ईश्वर बन जाते हो।" यह सही बात है। "क्या तुम सब ईश्वर नहीं हो? " और यीशु ने कहा...

वहां उस फरीसी ने, कहा, "तू स्वयं को परमेश्वर बनाता है।"

कहा, "क्या यह तुम्हारी व्यवस्था में नहीं लिखा, कि, 'तुम ईश्वर हो'? "

उसने मूसा को फिरौन के लिए ईश्वर बनाया।

136 और वो आपको लोगों के लिए ईश्वर बनाता है। यह सही बात है। और आज सुबह, आप परमेश्वर की लिखित पत्रियां हैं। आपके—आपके जीवन परमेश्वर के हैं, और यहाँ तक कि पवित्र आत्मा को भी प्राप्त किये हुए है।

137 मित्रों, यहाँ देखिए, इसे आपको छोड़ कर जाने ना दे। बस ऐसे ही आपके पास से जाने ना दे जैसे कि यह मामूली सी कुछ तो काल्पनिक चीज हो!... ? ...

138 पिता, इस सुबह हम आपके नम्र बालकों के नाई आते हैं। मैं यह अनुभव करता हूँ कि—कि हम अंतिम घड़ी में रह रहे हैं, समाप्ति का समय, किसी भी समय कुछ भी हो सकता है। पुरुष, महिलाये, लड़के या लड़कियों, जो बिना परमेश्वर के है। और मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, पिता, करुणाशील होना। मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ, करुणाशील होना उनके लिए जिन्होंने आपको ग्रहण किया है, और यह नहीं समझ पा रहे हैं कि, आप उनके हृदय के समीप है। और इस बात को समझ पाना कि संसार की छोटी–छोटी चीजें, चिंताओं में होकर, मर रहा है। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ, कि आज सुबह हर एक जो यहाँ पर है आपके लिए वास्तव में समर्पित होगा, आने वाले दिनों के लिए जो आने वाले है, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके आने से पहले हम और कितना इंतजार करेंगे। हम विश्वास करते हैं कि अब यह बहुत नजदीक है।

139 और थोड़ी देर के बाद, लोग बचने का यत्न करेंगे; वे इसे नहीं कर सकते है। मैं उन नौजवान लोगों के लिए सोच रहा हूँ उस रात, वहां उस वेदी पर, बचने का यत्न करेंगे, लेकिन रेखा पार हो चूकी थी। उनके लिए कोई छुटकारा नहीं था; वे ख़त्म हो चूके थे, वे बचाये नहीं जा सकते।

140 पिता, मैं बस—मैं बस प्रार्थना करता हूँ कि आप उन्हें आशिषित करेंगे, हर एक जन को, जब कि हमारे लिए समय है, पिता, कि वे आज इसे ग्रहण करेंगे। क्योंकि हम इसे यीशु मसीह के नाम से मांगते हैं। आमीन।

141 आइये हम खड़े हो जाये। कितने लोग उसे अपने संपूर्ण हृदय से प्रेम करते हैं? क्या आप उसके अब और समीप नहीं आना चाहेंगे, उससे प्रेम करेंगे बस थोड़ा सा और अधिक? आईये गाये *मैं—मैं सब कुछ समर्पित करता हूँ,* जैसे कि हम अपने हाथों को उसकी ओर उठाते हैं, आज सुबह, ... ? ... क्या आप ऐसा करेंगे? बहन, इस गीत के लिए हमें स्वर को देना।

मैं समर्पित करता हूँ, मैं सब कुछ समर्पित करता हूँ,
(अपनी सारी आदतें, अपने सारे मार्ग,)
समर्पित, मैं सब समर्पित करता हूँ,
सब कुछ तुझको, मेरे धन्य उद्धारकर्ता,
मैं सब कुछ समर्पित करता हूं।

क्या वास्तव में आपका यही अर्थ है?

मैं समर्पित करता हूँ, मैं सब कुछ समर्पित करता हूँ,
मैं समर्पित करता हूँ, मैं सब कुछ समर्पित करता हूँ,
सब कुछ तुझको, मेरे धन्य उद्धारकर्ता,
मैं सब कुछ समर्पित करता हूं।

142 हे पिता, दया करे। प्रभु, हम आपसे बहुत अधिक प्रेम करते हैं। इन्हीं किन्ही दिनों में तुरही फूंकने जा रही है। मैं हो सकता है बाहर कहीं तो कार्यक्षेत्र में होऊंगा। प्रभु, तब मैं कलीसिया के विषय में सोचूंगा। जब हवा जोर से आवाज़ करने लगेंगी, संसार डगमगाना आरंभ करेगा। कोई कहेगा, "क्या मामला है?" आकाश लाल हो रहा है, न्याय की घड़ी समीप है। मैं सोचुंगा, "ओह, भाई ग्राहम कहाँ है? कहाँ है... ओह, वे घर में है।" लेकिन, पिता, तब, थोड़ी देर बाद, हम एक ऐसी आवाज सुनेगे जो पहले कभी भी नहीं सुनी होगी, उस तुरही की; एक दूत तुरही को फूंकता है। हे परमेश्वर, वे जो मृत्यु के कक्ष में प्रवेश कर चूके हैं, वे जीवित हो जाएंगे। किस तरह से चिल्लाने की आवाज जाने लगेगी, "संसार के साथ क्या मामला है? हम शांत नहीं खड़े हो सकते। और वो डगमगाने लगती हैं।" और उसके बाद हम एक साथ उठा लिए जायेगे कि उससे हवा में मिले।

143 हे पिता, यदि उस समय से पहले मृत्यु आ जाये, मेरा मतलब स्वभाविक मृत्यु जो यहाँ इस धरती पर से अलगाव है, होने पाए हम कक्ष में प्रवेश करें, उस साहसिक विश्वास के साथ, मसीह के वस्त्र को अपने चारों ओर लपेटे हुए, वो पवित्र आत्मा। पिता, किसी दिन हमें वहाँ पहुंचना है। और मैं अनुभव करता हूँ कि मुझे भी उस रेखा पर चलना होगा। यह ठीक वहां कहीं तो मेरे सामने है, वो घड़ी जिसमें, मुझे उस मृत्यु कक्ष में प्रवेश करना है। जब मैं सुनता हूँ कि मेरे लिए निर्णय लिया गया है, मैं एक डरपोक के समान नहीं जाना चाहता। मैं उस तरह से जाना चाहता हूँ जैसे आप गए, प्रभु। ना ही अपने खुद के वस्त्र को अपने चारों ओर लपेटने की कोशिश करूं;

लेकिन मसीह के वस्त्र को लपेटूं, पवित्र आत्मा को, अपने चारों ओर, जैसे पौलुस ने किया, और कहता है, "मौत तेरा डंक कहाँ है? कब्र तेरी विजय कहाँ है? " उस अंधेरे कक्ष में प्रवेश करता हूँ उन लोगों के मध्य जो मर गए हैं; तब उसकी आवाज़ को सुनते हुए, उस प्रधान दूत को जो आवाज़ को देगा, और हम मरे हुओ के बीच में से बुला लिए जायेंगे, कि फिर से हमारे प्रियजनों से मिले।

144 हे प्रभु, यदि हम इसे इस जीवन में चूक जाते हैं, जीवन हमारे लिए कुछ भी नहीं रहता है; हम विफल हो जाते है। लेकिन यदि हम उसे पाते हैं जो हमारे हृदय में बहुमूल्य है, तब हमने परमेश्वर के सारे उद्देश्य को पा लिया।

145 ओह, आज इस सुबह, हम उससे कितना प्रेम करते हैं! होने पाए हर एक मसीही, आज सुबह, जल्दी से दर्शन को देख ले, प्रभु। अब देर होती जा रही है, और मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप उन्हें उस दर्शन को दिखाये और आज, वे जीवन को ग्रहण कर ले, और हमेशा जीवित रहें, क्योंकि इसे हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

146 आप एक दूसरे से प्रेम करते हैं? घूमकर और एक दूसरे के साथ हाथ मिलाए, कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे। मसीह आपके साथ हो।" बजाये "क्रिसमस की बधाई हो," कहने के, कहे, "मसीह आपके साथ हो," जैसे की आप घूमते हैं। अब अभी नहीं जाए, बस—बस घूम कर और कहे, "मसीह आपके साथ हो।" (मसीह आपके साथ हो।)

सारे...

अब बस एक मिनट।

सब कुछ, मेरे धन्य उद्धारकर्ता को,
मैं सब कुछ समर्पित करता हूं।

147 क्यों, मैने सोचा यह बारह बज गये। यह ग्यारह बज चूके है, और मैने सोचा यह बारह बजकर बीस मिनट हुए हैं। केवल... [एक बहन कहती हैं, "आओ हम एक घंटा और रुके।"] क्या कहा? आमीन।

148 हर एक जन परमेश्वर से प्रेम करता है? तो कहे, "प्रभु की स्तुती हो!" आईये हम बस एक—एक छोटी सी, बस एक छोटी सी, ये बस तीन या चार शब्दों की गवाही दे जो उससे ऊपर—ऊपर नहीं होगी, जैसे कि, "मैं

यीशु से प्रेम करता हूँ।" केवल कहे, जी हां, ना ही इससे अधिक। [कोई कहता है, "मैं यीशु से प्रेम करता हूँ।"—सम्पा।] यह सही है। कोई और भी कहे। [बहुत सारे लोग कहते हैं, "मैं यीशु से प्रेम करता हूँ!"] मैं उससे प्रेम करता हूँ! मैं उससे प्रेम करता हूँ! हे...

यीशु, बचाने वाले, मेरा मार्गदर्शन करे
इस जीवन भर के परीक्षा भरे समुद्र में;
अनजानी लहरें मेरे सामने उछल रही है... ? ...

यीशु मसीह की दैविकता HIN49–1225

(The Deity Of Jesus Christ)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में क्रिसमस के दिन, रविवार सुबह, 25 दिसंबर, 1949, को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविल, इंडियाना, यू.एस.ए., में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org